बुधवार
05 जनवरी 2022

पृष्ठ 4

याददाश्त तेज करना है तो खाने में बैंगन को शामिल करें

पृष्ठ 5

सर्कस का काम पूरा करते ही जॉन के साथ अटैक की तैयारी करेंगी जैकलीन

● देहरादून
● वर्ष 28
● अंक 321
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

29 वां वर्ष email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
आर.एन.आई.- 59626/94
सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज का विचार

मेरे समझ से प्रशासन का मूल विचार यह होना चाहिए की समाज को एकजुट रखा जाए ताकि वह विकास कर सके अपने लक्ष्यों को पूरा कर सके।
– लाल बहादुर शास्त्री

कोरोना के कारण कांग्रेस ने की सभी रैलियां रद्द

❑निर्वाचन आयोग को फैसले से कराया अवगत
❑अन्य सभी दलों से वर्चुअल रैलियों की अपील

संवाददाता

देहरादून/नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण की तेज रफ्तार और बढ़ते खतरे के मद्देनजर कांग्रेस ने सभी पांच राज्यों में होने वाली चुनावी रैलियों को रद्द करने का फैसला लिया है। कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग को खत लिखकर अपने इस फैसले से अवगत करा दिया गया है। साथ ही सभी दलों से जनहित में रैलियां न करने की अपील की है।

कांग्रेस का कहना है कि बीते एक सप्ताह में जिस गति से ओमीक्रोन और कोरोना के मामले बढ़े हैं वह बड़े खतरे का अलार्म है। कांग्रेस की सोच है कि जिन पांच राज्यों में चुनाव होने वाले हैं उन राज्यों में आयोजित की जाने वाली रैलियों और जनसभाओं में बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ती है जो स्प्राइडर बनने का बड़ा खतरा है। कांग्रेस की सोच है कि जन स्वास्थ्य और जनहित के मद्देनजर आम आदमी के जीवन को खतरे में नहीं डाला जाना चाहिए। इसलिए कांग्रेस ने सभी पांच चुनावी राज्यों में अपनी रैलियों को रद्द करने का फैसला लिया है। साथ ही निर्वाचन आयोग को लिखे पत्र में छोटी-छोटी और वर्चुअल रैलियों के आयोजन का सुझाव भी दिया गया है और सभी राजनीतिक दलों से अपनी रैलियों का रद्द करने की अपील की है।

कांग्रेस के द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर 'लड़की हूं लड़ सकती हूं' के स्लोग के साथ लड़कियों की मैराथन दौड़ों के आयोजन पर भी रोक लगा दी गई है। कांग्रेस के फैसले के बाद आगामी 9 जनवरी को प्रियंका गांधी की उत्तराखंड में होने वाली रैलियां भी अब नहीं होगी वही बनारस और काशी में आयोजित होने वाली लड़कियों की मैराथन दौड़ के कार्यक्रम भी आयोजित नहीं किए जाएंगे।

देश में बढ़ते कोरोना के कारण बीते 2 दिनों से रैलियों पर रोक लगाने का मुद्दा चर्चाओं के केंद्र में है। इस मामले में भले ही सभी राजनीतिक दलों का मत यही रहा है कि ऐसी स्थिति में रैलियों में भीड़ जुटाया जाना ठीक नहीं है लेकिन

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

बुली बाई: रुद्रपुर से युवती के बाद कोटद्वार से भी एक युवक गिरफ्तार

❑मुम्बई पुलिस ने दो बजे रात घर से गिरफ्तार किया मयंक को

हमारे संवाददाता

देहरादून। बुली बाई एप मामले में रुद्रपुर से एक युवती श्वेता सिंह की गिरफ्तारी के बाद बीती देर रात मुंबई पुलिस ने कोटद्वार में छापेमारी कर एक युवक मयंक रावत को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। जिसे पुलिस आज कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है।

बीते कल रुद्रपुर से हुई श्वेता सिंह की गिरफ्तारी के बाद ही इस बात की संभावनाएं जताई जा रही थी कि इस मामले में उत्तराखंड से अभी कुछ और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं। बताया जा रहा है कि श्वेता सिंह की गिरफ्तारी के बाद मुंबई पुलिस की पूछताछ में मयंक रावत द्वारा ऐप का संचालन करने की जानकारी मिली थी, जिसके बाद मुंबई पुलिस ने बीती देर रात डेढ़ से दो बजे के बीच कोटद्वार में उसके घर पर छापेमारी कर मयंक रावत को गिरफ्तार किया गया। ऐप को लेकर उत्तराखंड से की जाने वाली यह दूसरी गिरफ्तारी है। अब मुंबई पुलिस आज मयंक रावत को कोर्ट

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में बड़ी चूक, पंजाब में पीएम की रैली रद्द!

अमृतसर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बुधवार की पंजाब में प्रस्तावित रैली रद्द करनी पड़ी। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने मंच से इसकी घोषणा की।

इसके बाद गृह मंत्रालय की ओर से पंजाब सरकार पर पीएम की सुरक्षा में चूक के गंभीर आरोप लगाए गए। गृह मंत्रालय की ओर से कहा गया कि पीएम मोदी का काफिला हुसैनीवाला में शहीदों के स्मारक से करीब ३० मिनट पहले एक फ्लाईओवर पर फंस गया। गृह मंत्रालय के अनुसार पीएम का काफिला जब फ्लाईओवर पर पहुंचा तो वहां कुछ प्रदर्शनकारी जमा थे। सड़के ब्लॉक थी। ऐसे में पीएम का काफिला १५–२० मिनट तक वहां फंसा रहा। गृह मंत्रालय ने कहा कि सुरक्षा में चूक का ये बड़ा मामला है। इस बीच भाजपा ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी से इस्तीफा मांगा है। गृह मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री के कार्यक्रम और यात्रा की योजना के बारे में पंजाब सरकार को पहले ही बता दिया गया था।

देश में 24 घंटे में आए कोरोना के 58 हजार से अधिक नए मामले

नई दिल्ली। भारत में कोरोना के एक दिन में देश में ५८ हजार से अधिक केस सामने आए हैं। कोरोना के ओमीक्रोन वेरिएंट की वजह से महामारी की तीसरी लहर की आशंका के बीच संक्रमण के मामलों में ये तेजी देखी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में मंगलवार को ५८०९७ नए कोरोना मामले मिले।

ऐसे में सोमवार के मुकाबले नए मामलों में यह करीब २० हजार से अधिक का उछाल है। साथ ही इससे पहले भारत में पिछले साल १६ जून को ५८,५७० कोरोना मामले दर्ज किए गए थे। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में मंगलवार को कोरोना से ५३४ लोगों की मौत भी हुई। वहीं, संक्रमण दर बढ़कर अब ४.१८ प्रतिशत हो गया है। सक्रिय केस २ लाख १४ हजार चार हो गए हैं। देश में कोरोना से

मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर ४,८२,५५१ पहुंच गई है।

भारत में ओमीक्रोन के मामलों की कुल संख्या बढ़कर २१३५ हो चुकी है। महाराष्ट्र और दिल्ली में ओमीक्रोन के सबसे ज्यादा ६५३ और ४६४ मामले हैं। कुल मरीजों में से ८२८ मरीज ठीक हो गए हैं।

कोरोना के मामलों में उछाल महाराष्ट्र सहित दिल्ली, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु, बिहार आदि राज्यों में देखा गया है। महाराष्ट्र में मंगलवार को कोविड–१९ के १८,४६६ नए मामले सामने आए। पिछले दिन के मुकाबले संक्रमण के नए मामलों में यह ५२ प्रतिशत की वृद्धि है। वहीं, देश की राजधानी दिल्ली में भी बीते दिन ५४८१ केस मिले जो जो १६ मई के बाद सबसे अधिक है। राजधानी में संक्रमण दर अब ८.३७ प्रतिशत है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में ९०७३ नए केस मिले। बंगाल में बीते दिन के मुकाबले यह ५० प्रतिशत का उछाल है। बिहार में भी सोमवार को ३४४ के मुकाबले मंगलवार को कोरोना के ८९३ नए केस मिले। इस बीच भारत में ओमीक्रोन वेरिएंट के २००० ,से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। मंगलवार को नए वेरिएंट का केस मेघालय में भी मिला, जिससे देश के २४ राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इसकी जद में आ चुके हैं। महाराष्ट्र में मंगलवार को सबसे अधिक ७५ केस ओमीक्रोन के मिले।

दून वैली मेल

संपादकीय

आ गई तीसरी लहर!

देश में एक बार फिर कोरोना ने रफ्तार पकड़ ली है। बीते कल देश में 24 घंटे में 58 हजार से अधिक नए केस रिपोर्ट किए गए जो इससे पहले दिन के केसों से 20 हजार से भी अधिक हैं। बात अगर बीते दिनों की करें तो यह संख्या 33 हजार के करीब थी कुछ दिन बाद 58 हजार से अधिक हो गई वहीं मौतों का आंकड़ा भी दो दिन में दो गुना से अधिक बढ़कर 534 पर जा पहुंचा है। जहां तक ओमीक्रोन की बात है देश में अब तक ओमीक्रोन के 22 सौ से अधिक मरीज मिल चुके हैं। देश में ओमीक्रोन की टेस्टिंग बहुत कम हो रही है यदि टेस्टिंग की सही व्यवस्था हो तो कुल नए केसों में ओमीक्रोन के 50 फीसदी केस भी हो सकते हैं। जहां तक उत्तराखंड की बात है यहां 29 दिसंबर को 38 नए केस मिले थे जो 4 जनवरी यानी सिर्फ 7 दिन बाद 310 हो गए हैं। कोरोना के डेल्टा और ओमीक्रोन वैरीयंट ने मिलकर कोरोना संक्रमण को 8 गुना तेज कर दिया है। अब तक स्थिति विस्फोटक रूप ले चुकी है और कोरोना की वर्तमान रफ्तार को देखकर ऐसा लग रहा है कि अगले एक सप्ताह में प्रतिदिन नए मरीजों की संख्या दो लाख तक भी पहुंच सकती है तब जाकर केंद्र तथा राज्यों की सरकारों के कानों पर जूं रेंगना शुरू हुई है। देश के नेताओं को इस तीसरी लहर का संकेत बहुत पहले ही मिल चुका था लेकिन चुनाव के मद्देनजर उनके द्वारा इसे जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा था। नेता चुनावी सभा और रैलियों में मस्त और व्यस्त दिख रहे हैं और लोगों की जान की परवाह किए बगैर लाखों लाख लोगों की भीड़ सभाओं और रैलियों में जमा कर रहे हैं। वही राज्यों की सरकारें मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग और टेस्टिंग को लेकर खानापूर्ति कर रही है। नाइट कर्फ्यू जिसका कोई लाभ नहीं जैसी पाबंदियां लगाकर नाहक आम आदमी को परेशान किया जा रहा है। वहीं तीसरी लहर से निपटने की तैयारियों के खोखले दावे किए जा रहे हैं। केंद्र व राज्य सरकारों के पास सुरक्षा तैयारियों के लिए सही मायने में समय ही नहीं है तमाम नेता पार्टी की बैठकों व चुनाव प्रचार में दिन रात लगे हुए हैं। एक-एक नेता एक-एक दिन में तीन-तीन रैलियां कर रहा है। उनके पास न न्यायपालिका के सुझावों पर विचार करने का समय है न आम आदमी की सुरक्षा पर, उन्हें सिर्फ चुनाव दिखाई दे रहा है। दूसरी लहर के दौरान देश के लोगों ने जिन दर्दनाक स्थितियों को झेला था उसकी मुख्य वजह सरकारी तंत्र की लापरवाही थी। ठीक वैसे ही हालात एक बार फिर बनते दिख रहे हैं लेकिन इन नेताओं और सरकारों द्वारा आज भी कोरोना प्रबन्धन की सफलता का ढोल तो पीटा जा रहा है उससे सबक लेने की जरूरत महसूस नहीं की जा रही है। स्कूल कॉलेज फिर से बंद होने लगे हैं, वही वीकेंड कर्फ्यू, वर्क फ्रॉम होम शुरू हो चुका है। भले ही स्थिति कितनी भी गंभीर हो जाए पहले की तरह पूर्ण कोरोना लॉकडाउन न करने की ठाने बैठी सरकारों को अगर तीसरी लहर की विभीषिका का जरा भी खौफ है तो उन्हें तत्काल प्रभाव से सख्त कदम उठाने चाहिए, वही एक बार फिर से घोर लापरवाही बरतने वाली जनता को भी सावधान होने की जरूरत है अन्यथा इसके खतरनाक परिणामों से बचा नहीं जा सकेगा।

पहाड़ों ने ओढ़ी बर्फ की सफेद चादर

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में बीते कल से मौसम का मिजाज बदला हुआ है सूबे के पर्वतीय जनपदों में लगातार बर्फबारी का सिलसिला जारी है वहीं मैदानी क्षेत्रों में बारिश होने से सर्दी का प्रकोप बढ़ गया है। मौसम विभाग ने 8-9 जनवरी को पश्चिमी विच्छोभ की सक्रियता के कारण भारी बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी कर दिया है। जिसके मद्देनजर सैलानियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

●मैदानी जिलों में बारिश, लुढ़का पारा
●8-9 जनवरी को भारी वर्षा व बर्फबारी का अलर्ट

उत्तराखंड के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बीते कल से बर्फबारी हो रही है। राज्य के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, पिथौरागढ़ और बागेश्वर के 22 सौ मीटर से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की और 3000 से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी बर्फबारी की खबरें हैं। उत्तरकाशी की भैरव घाटी में बीआरओ कैंप नेमलांग में तथा हाईवे पर भारी बर्फबारी की खबर है वही सुक्खी, थराली में भी बर्फबारी हुई है। चमोली के औली, हेमकुंड साहिब व बद्रीनाथ में भी बर्फ की मोटी चादर भी चुकी है। गंगोत्री और हर्षिल क्षेत्र में बर्फबारी के कारण पारा इतना नीचे चला गया है कि सभी नाले खाले व झरने जम गए हैं। उधर पिथौरागढ़ व बागेश्वर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की खबरें हैं।

सूबे की राजधानी देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल, उधम सिंह नगर में कल से ही कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश जारी है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विच्क्षोभ की सक्रियता से 8 व 9 जनवरी को राज्य के ऊपरी हिस्सों में भारी बर्फबारी होगी तथा मैदानी वाले भागों में कहीं हल्की तो कहीं भारी बारिश होगी तथा तापमान और नीचे लुढ़केगा। आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा राज्य में आने वाले पर्यटकों से सतर्कता बरतने की अपील की गई है।

शैक्षिक सुधार खोलेंगे रोजगार के द्वार

भरत झुनझुनवाला

केंद्र सरकार का कहना है कि 2018 में प्रोविडेंट फंड की सदस्यता लेने वाले श्रमिकों में 70 लाख की वृद्धि हुई है लेकिन प्रोविडेंट फंड की सदस्यता में वृद्धि और रोजगार में वृद्धि दो अलग-अलग बाते हैं। 2018 का समय नोटबंदी और जीएसटी का था। इन नीतियों के कारण छोटे उद्योग कम हुए थे और बड़े उद्योग बढ़े थे। छोटे उद्योग ही ज्यादा रोजगार बनाते थे। इसलिए यदि छोटे उद्योगों में 100 कर्मी बेरोजगार हुए तो हम मान सकते हैं कि बड़े उद्योगों में 50 रोजगार बने होंगे। कुल मिलाकर रोजगार में 50 की गिरावट आयी। लेकिन जिन 50 को रोजगार मिला, वे प्रोविडेंट फंड के सदस्य बने, चूंकि वे बड़े उद्योगों में कार्यरत थे। इसलिए प्रोविडेंट फंड की सदस्यता में 50 सदस्यों की वृद्धि हुई जबकि साथ-साथ कुल रोजगार में 50 श्रमिकों की गिरावट आई। इसीलिए केंद्र सरकार द्वारा किए गये सामयिक श्रम सर्वे में कहा गया कि 2012 एवं 2018 के बीच अपने देश में शहरी बेरोजगारी में तीन गुना वृद्धि हुई है। और गम्भीर विषय यह है कि यदि मान भी लें कि 2018 में 70 लाख नये रोजगार बने तो भी बेरोजगारी की समस्या का निदान नहीं होता क्योंकि अपने देश में हर वर्ष 120 लाख नये युवा श्रम बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। इनमें से यदि 70 लाख को रोजगार मिल भी गया तो भी 50 लाख युवा बेरोजगार ही रह जायेंगे।

समस्या के गंभीर होने के दूसरे संकेत उपलब्ध हैं। केन्द्र सरकार द्वारा जारी किए गये उपरोक्त सामयिक श्रम सर्वे के अनुसार 2012 से 2018 के बीच शहरी बेरोजगारी की दर में 3 गुना वृद्धि हुई है। इसी सर्वे के अनुसार 2018 में अपने देश में 15 से 24 वर्ष के लोगों में 28.5 प्रतिशत बेरोजगार थे जो कि विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अधिकतम था। इसी सर्वे के अनुसार 2012 से 2018 के बीच वेतन में भी गिरावट आई है। जैसे मान लीजिये आपका 2012 में वेतन 100 रुपये प्रति दिन था और 2018 में आपका वेतन 110 रुपये प्रतिदिन हो गया। वेतन में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई लेकिन मान लीजिये इसी अवधि में जो टॉफ़ी 2012 में 1 रुपये में मिलती थी, वह 2018 में 1.50 रुपये में मिलने लगी। ऐसा हुआ तो आपके वास्तविक वेतन में कटौती हुई। 2012 में आप एक दिन के वेतन में 100 टॉफी खरीद सकते थे। 2018 में एक दिन के वेतन में आपको केवल 55 टॉफी मिलेंगी, चूंकि वेतन में वृद्धि कम और टॉफ़ी के दाम में वृद्धि ज्यादा हुई है। इसलिए केंद्र सरकार द्वारा किए गये सर्वे में कहा गया कि 2012 से 2018 के बीच वास्तविक वेतन में 1.7 प्रतिशत की गिरावट आई है। अत: बेरोजगारी की समस्या को झुठलाने से काम नहीं चलेगा। इसके मूल कारणों का निवारण करना होगा।

बेरोजगारी की समस्या का प्रमुख कारण तकनीकी बदलाव है। जैसे पूर्व में बैंक में खाते क्लर्कों द्वारा रखे जाते थे। अब यह कार्य कम्प्यूटर से होने लगा है। बैंक की कई शाखाओं में केवल दो या तीन कर्मी काम करते हैं। कम्प्यूटर ने श्रमिकों की जरूरत को कम कर दिया है। लेकिन साथ-साथ बैंकों का प्रसार बढ़ा है और शाखाओं की संख्या बढ़ी है। इनमें नये रोजगार उत्पन्न हुए हैं। इतिहास पर गौर करें तो किसी समय यातायात का प्रमुख साधन घोड़ा-गाड़ी हुआ करता था। इसके बाद कार का आविष्कार हुआ, जिसके कारण घोड़ा-गाड़ी चलाने वाले बेरोजगार हो गये। लेकिन कार के चलन का विस्तार हुआ। इनके उत्पादन और मरम्मत में नये रोजगार बने। इनके लिए सड़क और फ्लाईओवर बनाने में भी रोजगार बने। इसलिए घोड़ा-गाड़ी में रोजगार में गिरावट के बावजूद यातायात क्षेत्र में कुल रोजगार बढ़े। वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का खतरा हमारे सामने है। तमाम कार्य जैसे हड्डी में फ्रैक्चर को पहचानना अथवा खून की जांच करना अब कम्प्यूटर द्वारा किये जाने लगे हैं। ऐसा होने से रेडियोलॉजिस्ट और पैथोलाजिस्ट के रोजगार पर संकट आने को है। लेकिन जिस प्रकार घोड़ा-गाड़ी के समाप्त होने के बावजूद कार के चलन से कुल रोजगार में वृद्धि हुई; उसी प्रकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तमाम नये उत्पाद बन सकते हैं। जैसे आपके मनपसन्द प्लॉट का सिनेमा बनाना अथवा वीडियो मिक्स करना इत्यादि। अत: हमें अपने युवाओं को रोजगारों की इन नई संभावनाओं को पकड़ने को प्रशिक्षित करना होगा।

यहां प्रमुख समस्या हमारी शिक्षा व्यवस्था की है। वर्तमान में युवाओं का रुझान सरकारी नौकरियों की तरफ बना हुआ है, बावजूद इसके सरकारी नौकरियों की संख्या में कमी आई है। लेकिन सामान्य शिक्षा वाले प्राइमरी सरकारी स्कूल के टीचर को आज 50 से 70 हजार रुपये प्रतिमाह मिलता है जबकि एक ट्रेंड नर्स अथवा डाटा एंट्री आपरेटर को बमुश्किल 15 हजार रुपये प्रतिमाह मिलता है। इसलिए युवाओं को नर्स अथवा डाटा एंट्री आपरेटर की क्षमता हासिल करने में रुचि नहीं है। उनका पूरा ध्यान सरकारी नौकरी हासिल करने की तरफ रहता है। वास्तविक 'शिक्षा' ग्रहण करने में उनकी रुचि नहीं है। सरकार को चाहिए कि सरकारी कर्मियों और साधारण नागरिकों जैसे नर्स के वेतन के बीच संतुलन स्थापित करे, जिससे सरकारी नौकरी का मोह कम हो और हमारे युवा व्यावहारिक पढ़ाई पर ध्यान दें। इस दिशा में सरकार को प्राइमरी स्तर पर ही अंग्रेजी भाषा और कम्प्यूटर शिक्षा को अनिवार्य कर देना चाहिए, जिससे कि युवा आने वाले समय में कम्प्यूटर आधारित रोजगार, जैसे पुस्तकों का अनुवाद करना अथवा वीडियो मिक्स करना जैसे कार्यों को स्वयं कर सकें और अपनी जीविका अर्जित कर सकें।

हमें इस चिंता में नहीं रहना चाहिए कि अंग्रेजी को अपनाने से हमारी संस्कृति की हानि होगी। हमें ध्यान करना चाहिए कि किसी समय हमारी संस्कृति सिन्धु घाटी की भाषा में समझी जाती थी। इसके बाद वही प्राकृत भाषा में परिवर्तित हुई और फिर देवनागरी में। लेकिन संस्कृति की निरन्तरता कायम रही। इसलिए हमें प्रयास करना चाहिए कि अपनी संस्कृति का अंग्रेजीकरण करें जिससे कि हम अंग्रेजी भाषा में उत्पन्न होने वाले रोजगार भी हासिल करें और साथ-साथ अपनी संस्कृति का वैश्वीकरण भी कर सकें। यदि हम अपने वेद, पुराण तथा करपात्रीजी महाराज जैसे विद्वानों की टीकों को सुलभ अंग्रेजी में उपलब्ध करा दें तो हमारी संस्कृति का भी वैश्वीकरण होगा और युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। हमें भविष्य की ओर देखना चाहिए। इतिहास की उपयोगिता भविष्य को संवारने के लिए होती है। इतिहास का उद्देश्य कठघरे में जीवित रहने का नहीं होता है।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

वृतेव यन्तं बहुभिर्वसव्यैस्त्वे रयिं जागृवांसो अनु ग्मन्।
रुशन्तमग्निं दर्शतं बृहन्तं वपावन्तं विश्वहा दीदिवांसम्।।

(ऋग्वेद ६-१-३)

जनकल्याण के विभिन्न कार्यों में सहयोग देने वाले सुहृद ज्ञानी व्यक्ति किसी दुष्ट का अनुसरण नहीं करते, अपितु ज्ञानी संतों का अनुसरण करते हैं। उन्हें जीवन का सच्चा आनंद मिलता है।

The wise people, who assist in various works of public welfare, do not follow any wicked, but they follow the enlighten sages. They get the true joy of life.
(Rig Veda 6-1-3)

कृषि मेले में किया किसानों को सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूक

विकासनगर (आरएनएस)। ब्लॉक मुख्यालय के कृषि विभाग प्रांगण में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित जैविक कृषि मेले में किसानों को सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया। किसानों को रसायनिक खादों के अंधाधुंध प्रयोग को कम कर जैविक खेती से अच्छी पैदावार लेने के गुर बताए गए। मंगलवार को मेले का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक मुन्ना चौहान और ब्लॉक प्रमुख जसविंदर सिंह ने किया। किसानों को जैविक कृषि की जानकारी देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डा. संजय राठी ने बताया कि सरकार किसानों को कृषि यंत्रों पर अनुदान दे रही है, लेकिन जानकारी के अभाव में अधिकतर किसान सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पाते। फसल अवशेष किसान के लिए एक अच्छी खाद का साधन बन सकता है। किसानों को चाहिए कि वे फसल अवशेषों को विभाग द्वारा बताए तरीकों से अच्छे खाद में बदलें और भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाएं। बताया कि किसान फसल चक्र अपनाएं एवं मिट्टी की जांच करा कर ही उर्वरकों का प्रयोग करें। रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग भूमि की उर्वरा शक्ति को लगातार घटाता जा रहा है। मिट्टी की जांच के बिना अधिकतर किसान लगातार यूरिया का प्रयोग अधिक मात्रा में करते जा रहे हैं। जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति तो घट ही रही है। साथ ही फसल में रोगों की मात्रा भी बढ़ रही है और किसानों को भारी नुकसान हो रहा है।

मंडी शुल्क के विरोध में बंद रही लकड़ी मंडी

काशीपुर (आरएनएस)। दोबारा से शुरू किये गये मंडी शुल्क के विरोध में लकड़ी मंडी बंद रही। व्यापारियों ने जुलूस निकालकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मंडी शुल्क समाप्त करने की मांग की। पिछले दिनों कैबिनेट बैठक के बाद मंडी शुल्क को दोबारा शुरू कर दिया गया है। इसके चलते लकड़ी कारोबार से जुड़े परेशान हो गये। मंगलवार को लकड़ी व्यापार मंडल अध्यक्ष शाहनवाज आलम के आह्वान पर लकड़ी मंडी में दुकानें, आरा मशीन एवं इससे जुड़े कारखाने बंद रहे। व्यापारियों ने लकड़ी मंडी चौराहे पर एकत्र होकर एसडीएम कार्यालय तक जुलूस निकाला। साथ ही मुख्यमंत्री को प्रेषित ज्ञापन एसडीएम सीमा विश्वकर्मा को सौंपा। व्यापारियों ने कहा कि टिंबर पर १८ प्रतिशत जीएसटी कर वसूला जाता है। जबकि जीएसटी कानून एक राष्ट्र, एक कानून की अवधारणा पर आधारित है। इस अवधारणा को ध्यान में रखते हुए टिंबर की खरीद और बिक्री पर मंडी कर नहीं लगना चाहिए। दोहरा कर टिंबर की कीमत को बढ़ा रहा है। हिमाचल, मध्य प्रदेश, उड़ीसा की तरह उत्तराखंड को भी टिंबर की खरीद और बिक्री पर मंडी शुल्क से मुक्त किया जाए। राजस्थान सरकार ने भी बीते ४० वर्षों से चल रही मंडी शुल्क की व्यवस्था को खत्म कर दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि मंडी शुल्क राज्य शुल्क है। इस कानून में संशोधन कर मंडी शुल्क खत्म करने की व्यवस्था की जाए।

प्रधानचार्य व एक छात्र समेत पांच कोरोना पॉजीटिव

नैनीताल (आरएनएस)। खैरना इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य व एक छात्र समेत पांच लोग कोरोना पॉजीटिव पाए गए हैं। इसके बाद सभी को होम आइसोलेट कर दिया है। मंगलवार को ही विद्यालय में कोरोना टीकाकरण कैंप लगाया गया था। इसमें ११७ बच्चों को वैक्सीन लगाई गई थी। ऐसे में अब स्वास्थ्य विभाग स्कूल के सभी बच्चों के साथ ही संपर्क में आए लोगों की कोरोना जांच करेगा। कोरोना सैंपल प्रभारी मदन गिरी गोस्वामी ने बताया कि फिलहाल सभी का स्वास्थ्य सामान्य है। जल्द कैंप लगाकर इनके संपर्क में आए लोगों की जांच की जाएगी।

उत्तरांचल पंजाबी महासभा ने चेतन का किया स्वागत

काशीपुर (आरएनएस)। मानपुर रोड स्थित प्रकाश रेजिडेंसी में उत्तरांचल पंजाबी महासभा के पदाधिकारियों जिला महामंत्री उत्तरांचल पंजाबी महासभा के चेतन अरोरा को उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी में प्रदेश सचिव चेतन अरोरा को बनाए जाने पर फूल मालाओं से स्वागत व सम्मान किया। कार्यक्रम में उत्तरांचल पंजाबी महासभा के अध्यक्ष प्रवीन सेठी ने कांग्रेस पार्टी द्वारा उत्तरांचल पंजाबी समाज का सम्मान करते हुए चेतन अरोरा को प्रदेश कांग्रेस कमेटी में प्रदेश सचिव बनाए जाने पर हर्ष व्यक्त हुए कहा यह उत्तरांचल पंजाबी महासभा का सम्मान है। कार्यक्रम के दौरान महासभा के पदाधिकारियों में एकजुटता के साथ कांग्रेस हाईकमान से मांग की कि इस बार काशीपुर विधानसभा क्षेत्र से प्रदेश सचिव चेतन अरोरा जो वर्तमान में उत्तरांचल पंजाबी महासभा के जिला महामंत्री हैं उन्हें कांग्रेस पार्टी टिकट देकर महासभा का सम्मान करते हुए युवा चेहरे को मैदान में उतारे। इस मौके पर महासभा महानगर अध्यक्ष प्रवीन सेठी, जसपाल सिंह चड्ढा, दिलप्रीत सिंह सेठी, प्रभात साहनी, जतिन अरोरा, मनीष सपरा, अमन वाली, गुरबिंदर सिंह चंडोक, जगमोहन सिंह बंटी, सतीश गुलाटी, प्रकाश डाबर, अनीस अंसारी, महेंद्र कुमार धवन, मुन्ना भाई, रोहित चावला आदि मौजूद रहें।

लोहारी के ग्रामीणों ने दी चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

विकासनगर (आरएनएस)। व्यासी जल विद्युत परियोजना से प्रभावित ग्राम लोहारी के ग्रामीणों ने पुनर्वास नहीं होने पर ग्रामीण विधान सभा चुनाव का बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। मंगलवार को विकासनगर तहसील परिसर में पुनर्वास अधिकारी एसडीएम विकासनगर विनोद कुमार ने लोहारी गांव के प्रभावित ग्रामीणों के साथ बैठक की। बैठक में ग्रामीणों के पुनर्वास पर चर्चा की गई, जिसमें ग्रामीणों ने जमीन के बदले जमीन आवंटित होने के बाद ही गांव को खाली करने की शर्त रखी। साथ ही कहा कि पुनर्वास नहीं होने पर ग्रामीण विधान सभा चुनाव का बहिष्कार करेंगे।

पुनर्वास अधिकारी एसडीएम विकासनगर विनोद कुमार ने बताया कि भू अधिग्रहण अधिनियम २०१३ के तहत परिसंपत्तियों का मूल्यांकन के लिए गत वर्ष नवंबर माह में सूचना प्रकाशित की गई थी। जिसके आधार पर परिसंपत्तियों का मूल्यांकन किया गया है। बैठक में ग्रामीणों का नेतृत्व कर रहे यमुना घाटी बांध (लखवाड़–ब्यासी) प्रभावित समिति लोहारी के अध्यक्ष नरेश चौहान ने कहा कि शासन प्रशासन की ओर से उनके साथ छल किया गया है। कांग्रेस शासन काल में उन्हें जमीन के बदले जमीन आवंटित किए जाने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया था, लेकिन अब सरकार अपने फैसले से पलट गई है। जमीन नहीं होने के कारण ग्रामीणों के सामने आशियाने का संकट पैदा हो गया है। गांव के जलमग्न होने पर उनके परिवार खुले आसमान के नीचे जिंदगी गुजारने के लिए मजबूर हो जाएंगे। कहा कि ग्रामीणों ने राष्ट्र के विकास के लिए अपने पूर्वजों की जमीन दी है। बैठक में मौजूद ग्रामीणों ने कहा कि जब तक समुचित पुनर्वास नहीं किया जाता, ग्रामीण अपनी परिसंपत्तियों का मूल्यांकन नहीं करने देंगे। जरूरत पड़ने पर सभी ग्रामीण विधान सभा चुनाव का बहिष्कार भी करेगें।

तीर्थनगरी में आभार कार्यक्रम सात जनवरी को

नगर संवाददाता

ऋषिकेश। प्रदेश सरकार के सफलतम कार्यकाल के दौरान ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र में किए गए विकास के कार्यों को लेकर आगामी 7 जनवरी को आशीर्वाद वाटिका ऋषिकेश में आभार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इस संबंध में बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने बैराज रोड स्थित कैंप कार्यालय मे संबंधित विभागों के अधिकारियों के संग बैठक की। जिसमें अग्रवाल ने कहा है कि 7 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम की व्यवस्था चाक–चौबंद की जाए ताकि तमाम लोगों को केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा हुए विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त हो सके।

उन्होंने कहा है कि ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विकास की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनेक कार्य हुए हैं जिसका लाभ आम आदमी को मिल रहा है। बैठक में अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार द्वारा अनेक जन उपयोगी योजनाएं संचालित की जा रही है जिससे लोग लाभान्वित हो रहे हैं। विकास की योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि कार्यक्रम की व्यवस्था दुरुस्त की जाए। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भी लाइव जुड़कर अपना उद्बोधन देंगे और प्रदेश में हुए विकास के बारे में आम लोगों को जानकारी देंगे।

बैठक में उप जिलाधिकारी अपूर्वा ने कहा है कि कार्यक्रम की व्यवस्था पूर्ण कर ली गई है। संबद्ध विभागों को निर्देशित कर दिया गया है कि कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए। बैठक में उप जिलाधिकारी अपूर्वा, तहसीलदार डॉ अमृता शर्मा, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता आरसी कैलखुरा, परिवहन विभाग से अनिल कुमार, स्वास्थ्य विभाग से बी टोलिया, खाद्य विभाग से विजय डोभाल, जल संस्थान से अनिल नेगी, कोतवाल ऋषिकेश उत्तम रमोला, विद्युत विभाग से राजीव कुमार आदि सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

प्रकाश पर्व पर 9 जनवरी को सजेगा कीर्तन दरबार

नगर संवाददाता

देहरादून। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, आढ़त बाजार के तत्ववावधान में श्री गुरु गोविन्द सिंह के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा करनपुर से 7 जनवरी को नगर कीर्तन तथा 9 जनवरी को कथा कीर्तन का आयोजन किया जाएगा।

गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, आढ़त बाजार की प्रबंधक कमेटी की आज बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पूर्व में लिए गये निर्णय के तहत श्री गुरु गोविन्द सिंह जी का प्रकाश पर्व 9 जनवरी को गुरुद्वारा रेसकोर्स के खुले पंडाल में में मनाया जाएगा। यहां पर सुबह साढ़े बजे से दोपहर साढ़े तीन बजे तक कथा–कीर्तन के रूप में पूर्ण श्रद्धा पूर्वक मनाया जायेगा। इसी उपलक्ष्य में महान नगर कीर्तन गुरुद्वारा करनपुर से प्रातः 5 बजे से आरम्भ होगा।

जनरल सेक्रेटरी स. गुलजार सिंह ने कहा कि रात का दिवान गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा आढ़त बाजार में शाम 6 बजे से रात्रि दस बजे तक सजेगा। नगर कीर्तन गुरुद्वारा करनपुर से आरम्भ होकर सर्वे चौक, क्वालिटी चौक, घंटाघर, पल्टन बाजार, धामावाला बाजार, लक्खीबाग पुलिस चौकी से होता हुआ गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा पहुंचेगा।

इस अवसर पर प्रधान स. गुरबक्श सिंह राजन, जनरल सेक्रेटरी स. गुलजार सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगमिंदर सिंह छाबड़ा, उपाध्यक्ष चरणजीत सिंह चन्नी, कोषाध्यक्ष मंजीत सिंह, सचिव अमरजीत सिंह छाबड़ा, सतनाम सिंह, सेवा सिंह मठारु एवं गुरप्रीत सिंह आदि मौजूद रहे।

सैनिक परिवारों का भवन कर माफ करने को दिया ज्ञापन

नगर संवाददाता

देहरादून। छावनी बोर्ड देहरादून द्वारा भवन कर में सम्मिलित जल कर लेने व सैनिक परिवारों व पूर्व सैनिक परिवारों का भवन कर माफ करने की मांग को लेकर छावनी परिषद अध्यक्ष को ज्ञापन दिया है।

कैंट युवा समिति ने इस ज्ञापन के माध्यम से कहा है कि वर्तमान में छावनी बोर्ड देहरादून द्वारा आम जनता से भवन कर में जल कर सम्मिलित कर लिया जा रहा है। जबकि पूर्व से ही छावनी बोर्ड द्वारा भवन कर प्राप्त करते समय पेयजल के बिल के साथ कर जमा करते हुए जल कर को माफ किया जाता रहा है परन्तु वर्तमान में उक्त व्यवस्था से आम जनता को आर्थिक हानि हो रही है। जिस कारण उपरोक्त व्यवस्था में सुधार कर पूर्व की भांति भवन कर जमा करते समय पेयजल की रकम समायोजित कर जल कर को माफ किया जाना नितान्त आवश्यक है।

कहा कि पूर्व में राज्य सरकार द्वारा स्थानीय निकाय के अधीन रहने वाले सैनिक एवं पूर्व सैनिक परिवारों को भवन कर में पूर्णतः छूट दी हुई है। यह शासनादेश देहरादून छावनी पर भी लागू होता है एवं छूट के बाबत रक्षा मंत्रालय द्वारा भी आदेश जारी किए गये है परन्तु इसके बावजूद देहरादून छावनी बोर्ड द्वारा आज तक क्षेत्र में निवास करने वाले सैनिक व पूर्व सैनिक परिवारों को भवन कर में कोई छूट नहीं दी गई है जो कि जनता का उत्पीड़न व सरकारी आदेश का उल्लघंन है।

उन्होंने मांग की है भवन कर में जल कर को माफ कर पूर्व में जनता से प्राप्त जल कर को वापस करते हुए क्षेत्र में निवास करने वाले सैनिक व पूर्व सैनिक परिवारों को भी कर में पूर्णतः छूट प्रदान की जाए।

सर्दियों में प्राकृतिक सामग्री से पाएं मुलायम और हेल्दी त्वचा

सर्दियों में त्वचा संबंधित कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है. इसमें रूखापन, खुजली, रेडनेस आदि शामिल हैं. इसलिए सर्दियां पूरी तरह से अलग स्किनकेयर रूटीन की मांग करती हैं.

ठंड के मौसम में हेल्दी त्वचा को बनाए रखने के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खे आजमा सकते हैं. आइए जानें मुलायम त्वचा के लिए आप कौन से घरेलू उपचार आजमा सकते हैं.

शहद का इस्तेमाल करें

शहद लें और इसे पूरे चेहरे के साथ-साथ गर्दन पर अपनी उंगलियों से धीरे से मसाज करें. इसे त्वचा पर 15-2० मिनट के लिए छोड़ दें और फिर सादे पानी से धो लें.

शहद और दही-एक बड़ा चम्मच ताजा दही लें और इसमें आधा बड़ा चम्मच कच्चा शहद मिलाएं. एक साथ मिलाएं और मिश्रण से चेहरे और गर्दन पर कुछ मिनट के लिए मसाज करें. इसे 1०-15 मिनट के लिए त्वचा पर लगा रहने दें और फिर सादे पानी से धो लें. इसका इस्तेमाल हफ्ते में 2-3 बार कर सकते हैं.

मिल्क क्रीम से पाएं मुलायम त्वचा

मिल्क क्रीम लगाएं-एक बड़ा चम्मच मिल्क क्रीम लें और इसे अपने चेहरे के साथ-साथ गर्दन पर भी लगाएं. इसे 15-2० मिनट तक लगा रहने दें और इसके बाद सादे पानी से धो लें. हर दिन दोहराएं.

मिल्क क्रीम और केला-एक पके केले का आधा भाग लेकर मैश कर लें. मैश किए हुए केले में एक बड़ा चम्मच मिल्क क्रीम डालकर मिला लें. मिश्रण को पूरे चेहरे के साथ-साथ गर्दन पर भी लगाएं, अपनी उंगलियों से धीरे से मसाज करें. इसे 15-2० मिनट तक त्वचा पर लगा रहने दें और फिर सादे पानी से धो लें. सप्ताह में 2 से 3 बार इसे दोहरा सकते हैं.

शिया बटर का इस्तेमाल करें

1 बड़ा चम्मच शिया बटर लें और इसे डबल बॉयलर का इस्तेमाल करके पिघलाएं. आंच से उतारें और थोड़ा ठंडा होने दें. इसे पूरे चेहरे के साथ-साथ गर्दन पर भी लगाएं, उंगलियों से धीरे से मसाज करें. इसे त्वचा पर 2०-3० मिनट के लिए छोड़ दें और फिर एक नम तौलिये से पोंछ लें. हर दिन इसका इस्तेमाल कर सकते हैं.

चरण और मुझे पर्दे पर स्टारडम वापस लाने पर गर्व है: जूनियर एनटीआर

तेलुगु स्टार जूनियर एनटीआर, निर्देशक एस.एस. राजामौली की फिल्म आरआरआर की रिलीज के लिए तैयार हैं, जिसमें राम चरण सह-कलाकार हैं। उन्होंने फिल्म को लेकर अपने विचार साझा किए हैं। जूनियर एनटीआर बताते हैं कि कैसे राजामौली एक फिल्म निर्माता के रूप में विकसित हुए हैं।

राजामौली के साथ काम करने के बाद, जूनियर एनटीआर का मानना है कि राजामौली को अधिक महत्व वाली फिल्में बनाने की भूख है। जूनियर एनटीआर ने कहा कि एसएस राजामौली की सफलता तेजी से बढ़ रही है। उनकी दृष्टि मैक्रो-स्केल बन गई है। लेकिन, एक व्यक्ति के रूप में, वह अभी भी मेरे लिए वही जक्कन्ना है।

जूनियर एनटीआर द्वारा निभाए गए कोमाराम भीम का कोई नाटकीय एंगल फिल्म में नहीं है।

इस बारे में पूछे जाने पर, जूनियर एनटीआर ने कहा कि यह सच है कि कोमाराम भीम का कोई सिनेमाई संदर्भ नहीं है। हम सभी इन नायकों के बारे में कहानियां सुनकर बड़े हुए हैं। हम सभी ने एक आकृति और उसकी विशेषताओं की कल्पना की होगी, है ना? राजामौली फिल्म के लिए, आपको लगभग हर उस विवरण को पूर्ववत करना होगा जिसकी आपने कभी कल्पना की है।

उन्होंने आगे समझाया कि इसलिए, भले ही एक संदर्भ है, हमें उन विवरणों को पूर्ववत करना होगा। यह पूरी तरह से राजामौली की कल्पना थी जिसे आप स्क्रीन पर देखेंगे। केवल पात्र वास्तविक हैं, उनके आस-पास की कहानी पूरी तरह से काल्पनिक है। हमने एक साथ कई कार्यशालाएं कीं।

जूनियर एनटीआर बताते हैं कि राजामौली ने गोंड वीर कोमाराम भीम की यथार्थवादी विशेषताओं को आत्मसात किया है, जबकि कहानी पूरी तरह से काल्पनिक है। 7 जनवरी को आरआरआर पर्दे पर दस्तक देगी। जूनियर एनटीआर ने कोमाराम भीम की भूमिका निभाई है, जबकि राम चरण ने अल्लूरी सीताराम राजू की भूमिका निभाई है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

याददाश्त तेज करना है तो खाने में बैंगन को शामिल करें

अच्छी बात ये है कि अगर आप चाहें तो इस अपने घर में रखे गमले में भी उगा सकते हैं वो भी बहुत आसानी से बैंगन के फायदे हमेशा ही अनदेखे रहे हैं लेकिन जब आप इसके फायदे जानेंगे तो वाकई आश्चर्य में पड़ जाएंगे।

याददाश्त तेज करना

अगर आपको अपनी याददाश्त तेज करना है तो खाने में बैंगन को जरूर शामिल करें बैंगन में फाइटो न्यूट्रिएंट्स होते है जो सेल मेम्बरेन को नुकसान होने से बचाता है जो एक संदेशवाहक की तरह काम करता है।

वजन कम करने में

अगर आपका वजन ज्यादा है और आप उसे कम करने का प्रयास कर रहे हैं तो अपने भोजन में बैंगन को शामिल करना आपके लिए काफी फायदेमंद हो सकता है दरअसल बैंगन में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है और फाइबर भरपूर होता है जो वजन कम करने में मदद करता है।

बैंगन में बहुत

हर महिला अपनी उम्र से कम दिखना चाहती है बैंगन; की मदद से आप अपनी उम्र से कम दिख सकती है बैंगन में बहुत सारे एंथोकायनिन होते हैं और ये एंटीऑक्सिडेंट एंटीएजिंग एजेंट के रूप में कार्य करते हैं।

दांत दर्द में बैंगन

बैंगन के इस्तेमाल दांत दर्द में दर्द निरोधक की तरह काम करता है इसके रस से दांतों के दर्द में आराम मिलता है साथ ही इसकी जड़ का इस्तेमाल अस्थमा की रोकथाम में भी किया जाता है।

बालों का झड़ना

बालों को झड़ने से रोकने के लिए हम कई महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते है लेकिन क्या आपको पता है कि बैंगन आपके बालों को झड़ने से बचा सकता है बैंगन में पाये जाने वाले एंजाइम आपके स्कैल्प को मजबूत बनाते है जिससे बालों का झड़ना काफी हद तक कम हो जाता है।

पुष्पा के सक्सेज कार्यक्रम में भावुक हुए अल्लू अर्जुन

तेलुगु स्टार अल्लू अर्जुन पुष्पा की सफलता से उत्साहित हैं। अभिनेता रिलीज के बाद के एक कार्यक्रम में भावुक हो गए। उन्होंने फिल्म के निर्देशक सुकुमार का आभार व्यक्त किया। अभिनेता ने कहा कि सुकुमार के निर्देशन में बनी आर्य ने उनकी फिल्मोग्राफी में एक महत्वपूर्ण मोड़ दिया है। उन्होंने कहा, मैं आर्य के बिना कुछ भी नहीं हूं। मैं सुकुमार के बिना कोई नहीं हूं,। वह कार्यक्रम में अपने भाषण के दौरान भावुक हो गए थे।

उन्होंने चर्चा करते हुए कहा कि एक फिल्म अभिनेता के रूप में उनका करियर कैसे शुरू हुआ, अल्लू अर्जुन ने अपनी पहली कार खरीदने को याद किया।

उन्होंने कहा कि आर्य के बाद, मैंने अपनी पहली कार खरीदी थी, जिसकी कीमत करीब 85 लाख रुपए थी। मैं ड्राइवर की सीट पर बैठ गया और उन लोगों के बारे में सोचने लगा, जिन्होंने मेरे सपने को हासिल करने में मेरा साथ दिया।

अभिनेता ने भावुक होते हुए कहा कि मेरे दिमाग में जो पहला व्यक्ति आया वह सुकुमार है। सुक्कू ! मैं तुम्हारे बिना कुछ भी नहीं हूं। मैं आर्य के बिना कोई नहीं हूं। मैं भावुक नहीं होना चाहता था। लेकिन मैं खुद को रोक नहीं सका।

अल्लू अर्जुन की स्पीच के दौरान डायरेक्टर सुकुमार भी इमोशनल होते नजर आए। सुकुमार भावुक हो गए।

अल्लू अर्जुन और सुकुमार ने तीन हिट फिल्मों – आर्य, आर्य 2 और पुष्पा के लिए एक साथ काम किया है।

पुष्पा : द राइज कुछ समय पहले रिलीज हुई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -81

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

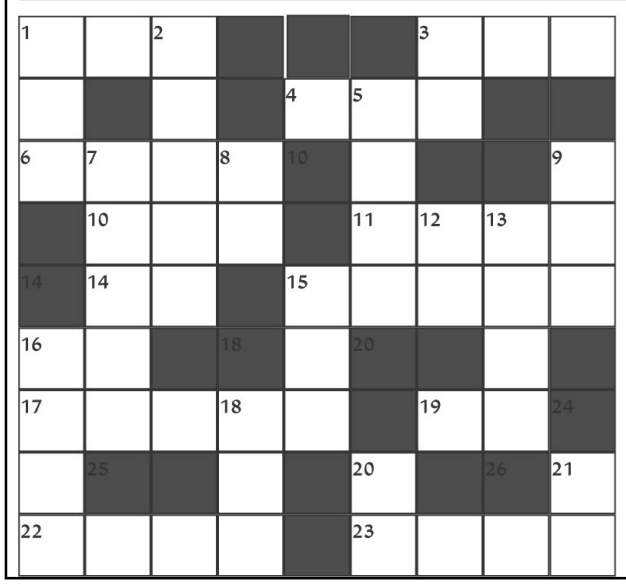

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 80 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

जूनियर एनटीआर, राम चरण ने अपनी आवाज में आरआरआर के लिए हिंदी डबिंग की : आलिया

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने खुलासा किया कि जूनियर एनटीआर और राम चरण ने फिल्म आरआरआर के लिए अपनी आवाज में हिंदी में डबिंग की है। पिछले दिनों जूनियर एनटीआर, राम चरण, आलिया भट्ट और निर्देशक एसएस राजामौली सहित आरआरआर के कलाकार द कपिल शर्मा शो में विशेष अतिथि के रूप में दिखाई दिए।

आलिया भट्ट ने उल्लेख किया, यदि आपने ट्रेलर देखा होगा, तो उन दोनों (जूनियर एनटीआर और राम चरण) ने पूरी फिल्म को हिंदी में अपनी आवाज में डब किया है। दर्शकों को एक प्रामाणिक अनुभव मिलेगा।

आरआरआर के कलाकारों के साथ बातचीत के दौरान, अर्चना पूरन सिंह ने तेलुगू अभिनेताओं से हिंदी में उनके प्रवाह के बारे में पूछा और उन्होंने इसे कैसे सीखा, इस पर जूनियर एनटीआर ने कहा, हैदराबाद एक बहुत ही हिंदी भाषी शहर है। स्कूली शिक्षा के दौरान भी, मेरे पहली भाषा हिंदी थी क्योंकि मेरी मां चाहती थीं कि मैं यह भाषा सीखूं। उन्होंने कहा, आखिरकार, यह हमारी राष्ट्रीय भाषा है। इसलिए, इसने मेरी मदद की।

बॉम्बे (मुंबई) से मेरे कुछ दोस्त भी हैं, तकनीशियन आते रहते हैं और बहुत आदान-प्रदान होता है। बाहुबली की बदौलत अब यह बड़ी हो गई है। इसलिए जब आप बात करते रहते हैं, तो धीरे-धीरे आप भाषा सीखना शुरू कर देते हैं।

छोरी का बनेगा सीक्वल, नुसरत निभाएंगी मुख्य भूमिका

नुसरत भरुचा अभिनीत फिल्म छोरी की सफलता के बाद, निर्माताओं ने इसके सीक्वल के साथ कहानी की फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित अगली कड़ी छोरी 2 शीर्षक से, नुसरत के चरित्र साक्षी की कहानी को उठाएगी, जहां से पहला पार्ट शुरु हुआ था, साथ ही कुछ प्रमुख पात्रों को वापस लाएगी।

सीक्वल की घोषणा करते हुए, निर्देशक ने कहा कि मैं छोरी की कहानी को इसके सीक्वल के साथ अगले स्तर पर ले जाने के लिए रोमांचित हूं। मैंने हमेशा छोरी को एक मल्टीपल फिल्म फ्रैंचाइजी के रूप में देखा है और सीक्वल की कहानी को विकसित करना तभी शुरू कर दिया था, जब हम पहले संस्करण का फिल्मांकन कर रहे थे।

फिल्म का निर्माण साइक द्वारा किया जाएगा, जो अबुदंतिया एंटरटेनमेंट का हॉरर वर्टिकल है, क्रिप्ट टीवी और टी-सीरीज के साथ भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विक्रम मल्होत्रा, जैक डेविस और शिखा शर्मा निर्माता रहेंगे।

निर्माताओं ने सीक्वल के संबंध में एक संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि छोरी को मिली आलोचनात्मक प्रशंसा और प्रशंसक प्यार हमारे इस विश्वास का एक प्रमाण है कि भारतीय दर्शकों को उच्च गुणवत्ता वाले हॉरर कंटेंट के लिए एक मजबूत भूख है। हम आशा करते हैं कि हम अधिक रोमांचक और अनूठी कहानियों के साथ उनकी सेवा करना जारी रखेंगे।

अनन्या पांडे की फिल्म गेहराया का टीजर को दर्शको ने किया काफी पसद

अनन्या पांडे इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म गहराइयां को लेकर चर्चा में हैं। शकुन बत्रा द्वारा अभिनीत, फिल्म में दीपिका पादुकोण और सिद्धांत चतुर्वेदी भी होंगे और तीनों के पहले सहयोग को चिह्नित करेंगे। जबकि यह परियोजना कुछ समय के लिए बड़े पैमाने पर चर्चा पैदा कर रही थी, निर्माताओं ने फिल्म के शीर्षक की घोषणा करते ही सोशल मीडिया पर तूफान ला दिया। यह सब नहीं है। उन्होंने गेहरियां का टीज़र भी जारी किया था और इसे दर्शकों से समीक्षाएँ मिली हैं।

और जबकि यह शहर की चर्चा बनी हुई है, अनन्या इस शकुन बत्रा के निर्देशन पर बरस रहे प्यार के बारे में शांत नहीं रह सकती है। सोशल मीडिया पर, स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 की अभिनेत्री ने खुद की कुछ नासमझ तस्वीरें साझा कीं, क्योंकि वह गेहराइयां की प्रतिक्रिया के बारे में खुशी से चिल्ला रही थी। कैप्शन में, अनन्या ने दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया और लिखा, ़गहराइयां के प्रति सभी प्यार से अभिभूत महसूस कर रहा हूं और टीज़र पहले से ही ़गहराइयां, वर्ल्ड प्रीमियर, 25 जनवरी, 2022 !!!!!!

इस बीच, अनन्या दीपिका और सिद्धांत के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने को लेकर उत्साहित हैं और उन्हें परिवार कहा है। उसने कहा, यह वह सब कुछ था जिसका मैं सपना देख सकती थी। हमने बहुत सारी वर्कशॉप और रीडिंग की। एक अभिनेता के साथ काम करने के लिए शकुन सिर्फ एक अद्भुत निर्देशक है। वह आपको इतना स्थान और स्पष्ट निर्देश देता है। जब आप स्क्रीन पर होते हैं तो वह आपको बस खेलने देता है। इसलिए मैं वास्तव में शकुन के साथ अपने समीकरण का आनंद ले रहा हूं।(आरएनएस)

सर्कस का काम पूरा करते ही जॉन के साथ अटैक की तैयारी करेंगी जैकलीन

आने वाले दिनों में जैकलीन कई फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। जितनी चर्चा उनकी फिल्म सर्कस की हो रही है, उतनी ही सुर्खियों में वह जॉन अब्राहम अभिनीत फिल्म अटैक को लेकर हैं। हाल ही में जैकलीन ने अपनी इन फिल्मों और शूटिंग शेड्यूल पर बात की। इस साल जैकलीन की कई फिल्में रिलीज होंगी। उन्होंने इस बारे में कहा, फिलहाल तो मैं रणवीर सिंह के साथ सर्कस की शूटिंग में व्यस्त हूं। इसका काम निपटाते ही मैं जॉन अब्राहम के साथ अटैक की शूटिंग शुरू करूंगी। उन्होंने कहा, मैं पिछले कुछ समय से सर्कस की शूटिंग कर रही हूं और जल्द ही हम इस शेड्यूल को पूरा कर लेंगे। फिर मुझे अटैक के सेट पर रहना है। हम तुरंत एक रोमांटिक नंबर की शूटिंग करेंगे।

जैकलीन ने कहा, जॉन के साथ शूटिंग करना मजेदार होने वाला है। मैं सर्कस की शूटिंग में लगी हूं, इसलिए मुझे अटैक का शूट शुरू करने से पहले जॉन के साथ रिहर्सल करने का मौका नहीं मिल पाया। अब शूटिंग से पहले जितना भी वक्त होगा, वो सीधे सेट पर ही मिलेगा। जॉन और जैकलीन की असल में काफी अच्छी बॉन्डिंग है। दोनों इससे पहले हाउसफुल 2, रेस 2 और ढिशुम जैसी फिल्मों में भी साथ काम कर चुके हैं। सर्कस के निर्देशक रोहित शेट्टी हैं। इसमें जैकलीन के साथ पूजा हेगड़े ने भी अहम भूमिका निभाई है। फिल्म अगले साल 15 जुलाई को रिलीज होगी, वहीं अटैक में रकुल प्रीत सिंह भी काम कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल 28 जनवरी को आएगी।

जैकलीन फिल्म राम सेतु में अक्षय कुमार के साथ काम कर रही हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री नुसरत भरूचा भी अहम भूमिका निभा रही हैं। जैकलीन को फिल्म बच्चन पांडे में देखा जाएगा। इस फिल्म के हीरो भी अक्षय कुमार ही हैं और अभिनेत्री कृति सैनन भी इसका हिस्सा हैं। सलमान खान की फिल्म किक 2 भी जैकलीन के खाते से जुड़ी है।

भारत में रहकर ही फिल्ममेकिंग सीखेंगे आर्यन खान

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान यूं तो पहले भी सुर्खियों में रहे हैं, लेकिन इस साल उन्होंने सबसे ज्यादा सुर्खियां ड्रग्स केस में गिरफ्तार होने के बाद बटोरीं। बॉम्बे हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद आर्यन खान को हर हफ्ते एनसीबी के ऑफिस में हाजिरी से भी छूट मिल गई है। इसके बाद अब आर्यन फिर फिल्ममेकिंग पर फोकस करने वाले हैं और शाहरुख ने बेटे के लिए कुछ नया प्लान किया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आर्यन जल्द ही बॉलीवुड में एक बड़े प्रोडक्शन हाउस में बड़े निर्देशकों के साथ फिल्ममेकिंग सीखेंगे। वह पहले विदेश के बड़े निर्देशकों के साथ फिल्ममेकिंग सीखने वाले थे, लेकिन ड्रग्स केस में फंसने के बाद आर्यन फिलहाल विदेश नहीं जा सकते। उन्हें जमानत इसी शर्त पर मिली है कि उन्हें अपना पासपोर्ट एनसीबी के पास जमा कराना होगा, इसलिए अब आर्यन ने बॉलीवुड में ही फिल्ममेकिंग सीखने का मन बना लिया है। आर्यन की फिल्ममेकिंग में दिलचस्पी रही है। कहा जा रहा है कि वह शाहरुख की आने वाली फिल्म पठान से जुड़ सकते हैं। फिल्म में शाहरुख एक्शन सीन को लेकर आर्यन के कुछ सुझाव भी शामिल कर सकते हैं। शाहरुख यशराज फिल्म्स के मालिक आदित्य चोपड़ा और धर्मा प्रोडक्शंस के मालिक करण जौहर के काफी करीबी हैं। ऐसे में यह भी माना जा रहा है कि आर्यन इन दोनों प्रॉडक्शन हाउस में किसी एक से जुड़कर फिल्ममेकिंग सीख सकते हैं।

बता दें कि सैफ अली खान के बेट इब्राहिम भी बॉलीवुड में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर अपना करियर शुरू कर चुके हैं। वह करण जौहर की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के असिस्टेंट डायरेक्टर हैं। इब्राहिम की तरह अब आर्यन भी फिल्म के सेट पर उतरेंगे और पर्दे के पीछे रहकर फिल्ममेकिंग से जुड़ी बारीकियां सीखेंगे ताकि उन्हें भविष्य में बतौर डायरेक्टर या एक्टर के रूप में शुरुआत करने में दिक्कत ना आए। आर्यन बतौर बाल कलाकार शाहरुख की फिल्म कभी अलविदा ना कहना में नजर आए थे। कभी खुशी कभी गम में उन्होंने शाहरुख के बचपन का रोल निभाया था। एनिमेटेड फिल्म हम हैं लाजवाब और द लायन किंग से आर्यन बतौर वॉयस ओवर आर्टिस्ट जुड़े थे।

हॉलीवुड एक्ट्रेस सामंथा लॉकवुड के साथ फिल्म कर रहे ऋतिक रोशन ?

ऋतिक रोशन आने वाले दिनों में एक से बढ़कर एक फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। अब एक और फिल्म उनके खाते से जुड़ गई है। वह हॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस सामंथा लॉकवुड के साथ स्क्रीन शेयर करते दिख सकते हैं। यह चर्चा जोरों पर है कि सामंथा बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं और अपनी पहली हिंदी फिल्म में उन्हें सुपरस्टार ऋतिक रोशन का साथ मिला है।

पहले भी ऋतिक और सामंथा के एक प्राजेक्ट में साथ काम करने की खबरें आ चुकी हैं और अब फिर यह चर्चा तेज हो गई है। दरअसल, सामंथा ने इंस्टाग्राम पर ऋतिक के साथ अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। एक तस्वीर में दोनों एक-दूसरे से बातें करते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर कर सामंथा ने कैप्शन लिखा, फिल्मी परिवार से आने वाले इस अभिनेता से मिलने में मजा आया, एक्शन पसंद है और हवाई...सुपरस्टार ऋतिक रोशन।

सामंथा लॉकवुड एक अमेरिकी अभिनेत्री और मॉडल हैं। वह अपनी शानदार एक्टिंग के लिए लोकप्रिय हैं। सामंथा के माता-पिता भी फिल्मी दुनिया से ताल्लुक रखते हैं। सामंथा फिल्म शूट द हीरो को लेकर एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। दरअसल, उनकी इस फिल्म को अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जा रहा है। अमेरिकी हिट टीवी सीरीज हवाई फाइव ओ के छठे एपिसोड में भी उनके काम को खूब सराहा गया था। इसमें सामंथा ने नकारात्मक भूमिका निभाई थी।

हॉलीवुड की कई अभिनेत्रियां बॉलीवुड की ओर रुख कर चुकी हैं। बॉन्ड गर्ल डेनिस रिचर्ड्स ने कम्बख्त इश्क से बॉलीवुड में डेब्यू किया था, वहीं अभिनेत्री सारा थॉम्पसन केन ने प्रकाश झा की फिल्म राजनीति में रणबीर कपूर की अमेरिकी गर्लफ्रेंड का किरदार निभाया था।

ऋतिक एक्टिंग के साथ-साथ अपने शानदार डांस और धमाकेदार एक्शन के लिए जाने जाते हैं और अब वह जल्द ही हॉलीवुड में भी अपनी शुरुआत कर सकते हैं। पिछले दिनों चर्चा थी कि ऋतिक एक अमेरिकी स्पाई थ्रिलर फिल्म में दिखाई देंगे। इस फिल्म में उनका लीड रोल होगा। ऋतिक ने इस फिल्म के लिए ऑडिशन भी दिया है। कहा जा रहा था कि ऋतिक कृष 4 की शूटिंग के बाद इस फिल्म से जुड़ सकते हैं।

ऋतिक निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की फिल्म फाइटर में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ दीपिका पादुकोण लीड रोल में हैं। दोनों की जोड़ी पहली बार सिल्वर स्क्रीन पर नजर आने वाली है। इसके अलावा ऋतिक फिल्म विक्रम वेधा में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में सैफ अली खान उनके साथ अहम भूमिका में दिखाई देंगे। ऋतिक अपनी सुपरहिट फिल्म वॉर के सीक्वल वॉर 2 में नजर आएंगे। उन्हें फिल्म कृष 4 में भी देखा जाएगा।

काशी विश्वनाथ धाम-हमारी जीवंत विरासत को सम्मान

अनुराग सिंह ठाकुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्ष काशी विश्वनाथ धाम का उद्घाटन किया। यह अनूठी परियोजना, काशी जैसे सभ्यता के प्रतीक शहर और ऐतिहासिक काशी विश्वनाथ मंदिर के लिए सर्वथा उपयुक्त है। काशी के महत्व और प्राचीनता के बारे में मार्क ट्वेन ने लिखा था, बनारस इतिहास से भी पुराना है, परंपरा से भी पुराना है, पौराणिक कथाओं से भी पुराना है और इन सभी को मिलाने से जितनी प्राचीनता हो सकती है, यह शहर उससे भी दोगुना प्राचीन है। परियोजना के उद्घाटन के साथ, प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व के सबसे प्राचीन जीवित शहरों में से एक और हिंदू धर्म तथा सदियों पुरानी हमारी सभ्यता के केंद्र, काशी या वाराणसी को दुनिया को फिर से समर्पित किया। प्राचीनता और निरंतरता का अद्भुत मिश्रण, काशी पूरी मानवता की धरोहर है।

इसे दुनिया का सबसे प्राचीन व एक ऐसा शहर माना जाता है, जो सदियों से लोगों का निवास-स्थान रहा है। जहां दुनिया के अन्य प्राचीन शहर साम्राज्यवादी और औपनिवेशिक हमलों में ध्वस्त हो गए, वहीं काशी अपने विशिष्ट उत्साह के साथ गतिमान है। यह शहर को वास्तव में महत्वपूर्ण और अद्वितीय बनाता है। अपनी निरंतरता के माध्यम से, यह शहर बर्बर आक्रमणों और हमलों के बावजूद अपनी सांस्कृतिक, कलात्मक और शैक्षिक पहचान को बनाए रखने के लिए अपनी दृढ़ सहनशीलता का परिचय देता है।

काशी विश्वनाथ धाम, इस शहर पर हुए अत्याचार से भरे अतीत से ऊपर उठने की एक पवित्र प्रतिज्ञा को दर्शाता है। दूसरे शब्दों में, यह इस भूमि की सदियों पुरानी आध्यात्मिक, शैक्षिक और रचनात्मक विरासत को फिर से जीवंत करने का एक विनम्र प्रयास है। इस धाम के रूप में इतिहास ने नया मोड़ लिया है। इतिहास में शायद पहली बार ऐसा हुआ है कि एक हजार साल के अन्याय को, बिना किसी विनाश, लूटपाट या बदले की भावना के, समाप्त करते हुए पहले जैसी स्थिति प्राप्त की गयी है। इसे केवल निर्माण और सृजन के माध्यम से हासिल किया गया है।

काशी को युगों से मुक्ति की नगरी के रूप में जाना जाता रहा है। हर जगह से लोग मुक्ति की खोज में काशी की ओर खिंचे चले आते हैं। हालांकि यह परियोजना स्वयं काशी की मुक्ति का उत्सव मनाने का एक प्रयास है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस दृष्टिकोण और प्रयासों ने काशी विश्वनाथ मंदिर के सदियों पुराने गौरव को पुन: स्थापित किया है।

काशी विश्वनाथ धाम संपूर्ण मानवता के लिए एक परियोजना है क्योंकि यह सभ्यता की निरंतरता का एक उत्सव है। इस दृष्टि से, यह पूरी दुनिया के लिए एक परियोजना है। यह हिंदू देवालय भगवान ब्रह्मा- ब्रह्मांड के रचयिता, भगवान विष्णु- ब्रह्मांड के रक्षक और भगवान शिव - ब्रह्मांड के मुक्तिदाता- की पवित्र त्रिमूर्ति को मान्यता प्रदान करता है। काशी अत्यधिक श्रद्धा जगाती है क्योंकि यह भगवान शिव के विभिन्न निवासों में से एक है। यही काशी का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है।

इस वर्ष संविधान दिवस के अवसर पर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था, भारत और दुनिया के कई देशों के लिए कई पीढ़ियों तक उपनिवेशवाद की बेड़ियों में रहना एक मजबूरी थी। भारत की आजादी के बाद से, पूरी दुनिया में एक उत्तर-औपनिवेशिक काल शुरू हुआ और कई देश आजाद हुए। आज दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं है जो किसी दूसरे देश के उपनिवेश के रूप में मौजूद हो। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि औपनिवेशिक मानसिकता का अस्तित्व समाप्त हो गया है। इसलिए, कई पीढ़ियों तक उपनिवेशवाद झेलने वाली मानवता के लिए यह आवश्यक है कि वह स्वयं को उपनिवेश से मुक्त करे, आजाद हो और फिर से आगे बढ़े। कई अन्य बातों के अलावा, ऐतिहासिक रूप से लूट और विध्वंस उपनिवेशवाद के मुख्य उपकरण और उद्देश्य, साधन एवं साध्य रहे हैं। स्वाभाविक रूप से, धन, ज्ञान और पुरातत्व के खजाने से लैस सभ्यताएं इस किस्म के बर्बर जमाखोरों के लिए प्रमुख आकर्षण थीं।

आइए, एक फिर काशी की ओर लौटें। यह पौराणिक प्राचीन शहर लगातार लूटपाट का शिकार रहा है। यहां हुए विध्वंस और विनाश, इस बात के पर्याप्त संकेत देते हैं कि एक समय यह कितना शानदार शहर रहा होगा। यह तथ्य दुनिया भर के संग्रहालयों और निजी संग्रहों में बिखरे पड़े काशी के गौरवशाली पुरावशेषों के नमूनों से भी प्रमाणित होता है। सामान्य रूप से काशी शहर और विशेष रूप से काशी विश्वनाथ मंदिर को अतीत में कई बार ध्वस्त किया गया और इनका पुनर्निर्माण हुआ। प्रारंभ में काशी विश्वनाथ मंदिर को घुरिद तुर्क सुल्तान कुतुब-उद-दीन ऐबक ने नष्ट किया था और फिर बाद में गुजरात के एक व्यापारी ने इसे पुनर्निर्मित किया था। इस मंदिर के विध्वंस और पुनर्निर्माण की कहानी वर्ष 1780 तक जारी रही, जब एक किंवदंती के अनुसार, भगवान शिव महान मराठा रानी अहिल्याबाई होल्कर के सपने में आए एवं वह भगवान शिव की परम भक्त बन गईं और फिर उन्होंने इस मंदिर का पुनर्निर्माण किया। एक अन्य किंवदंती के अनुसार, इस शहर पर किए गए हमले ने ही महान छत्रपति शिवाजी महाराज को तलवार उठाने के लिए प्रेरित किया था। यह कहा जाता है कि औरंगजेब द्वारा काशी विश्वनाथ मंदिर के विध्वंस ने शिवाजी महाराज की माता जीजाबाई को इतना क्रोधित कर दिया था कि उन्होंने उन्हें मुगल के नियंत्रण वाले एक किले सिंहगढ़ पर कब्जा करने की चुनौती दे डाली। इसके बाद क्या हुआ वह सर्वविदित है। मंदिर परिसर का पुनर्निर्माण न केवल औपनिवेशिक प्रभाव से बाहर निकलने की दिशा में एक और अहम कदम है, बल्कि यह बर्बरता पर सभ्यता की प्रधानता, ज्ञान के केंद्र की पुनर्स्थापना और क्रूरता के स्थान पर श्रद्धा का भाव जागृत होने का भी ठोस प्रतीक है। यह परियोजना पूर्ण सामंजस्य सुनिश्चित करते हुए रचनात्मक दृष्टिकोण के जरिए इन प्रशंसनीय लक्ष्यों को प्राप्त करने का एक अभिनव प्रयास है। यह पूरी मानवता के लिए गहन चिंतन-मनन करने और इसके साथ ही, यदि संभव हो सके, तो अनुसरण करने का भी एक उत्कृष्ट उदाहरण है। मेरी मंगल कामना है कि हमारी काशी ठीक इसी तरह से आगे भी निरंतर फलती-फूलती रहे एवं समृद्ध होती रहे और इसके साथ ही भगवान शिव हम सभी को अपनी दिव्यता एवं महिमा प्रदान करें।

(लेखक केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल और सूचना व प्रसारण मंत्री हैं)

स्पोर्ट्स ड्रामा सीरीज 'स्पाइक' में आएंगी नजर रसिका दुग्गल

अपने शानदार अभिनय के लिए मशहूर अभिनेत्री रसिका दुग्गल बहुत ही जल्द एक और धमाकेदार प्रोजेक्ट से दर्शकों का दिल जितने के लिए तैयार है. रसिका 'मिर्जापुर' सीरीज से लोगों के दिलों घर कर चुकी है. जी हां, निष्ठा शैलाजन और धवल शाह की सीरीज़ 'स्पाइक' में वर्सटाइल अभिनेत्री रसिका दिखाई देंगी और पहली बार वो स्पोर्ट्स से जुड़े किसी सीरीज में अपने अभिनय का प्रदर्शन करेंगी. अब तक दर्शकों ने रसिका को कई रूप में अभिनय करते हुए देखा है मगर अब वो खेल के मैदान में वॉलीबॉल कोच की भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी. अपने आप को पूरी तरह से किरदार में ढालने के लिए इन्होने मुंबई में 3 महीने वॉलीबॉल को सीखा हैं. रसिका एक मंजी हुई कलाकार है. इन्होंने अपना प्रशिक्षण पूरा करने के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में पहला शूटिंग शेड्यूल भी पूरा कर लिया हैं. अपने करियर के दौरान ये कई तरह की भूमिका निभा चुकी है और हर प्लेटफार्म पर अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी हैं. रसिका इस स्पोर्ट्स ड्रामा 'स्पाइक' सीरीज में मुख्य भूमिका निभा रही है और इस तरह के जॉनर में वो पहली बार दिखाई देगी. अपने इस नए जॉनर को लेकर उत्साहित रसिका का कहना है कि मुझे स्पोर्ट्स ड्रामा देखना बहुत पसंद है. यह एक ऐसा जॉनर है जो सूत्रित के बावजूद भी मुझे काफी उत्साहित करता हैं. मैं इस बात से बहुत खुश हूं कि मुझे यह रोल ऑफर किया गया. जहां मुझे कुछ नया सीखने को मिलता है मैं स्वाभाविक रूप से उन सभी भूमिकाओं के लिए तैयार रहती हूं. (आरएनएस)

सू- दोकू क्र. 81

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.80 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

व्यवहार में संवेदनशीलता का मूल्यांकन

सीताराम गुप्ता

मिलने पर अथवा किसी से मिलने जाने पर किसी की कुशलता विषयक जानकारी लेना शिष्टाचार का प्रमुख अंग है। सामान्य बातचीत हो अथवा किसी की मिजाजपुर्सी के लिए जाना हो, प्राय: प्रश्नों का ही आदान-प्रदान होता है। इस दौरान हम जो प्रश्न पूछते हैं, उनसे न केवल ये पता चलता है कि हम शिष्टाचार का पालन करना जानते हैं अथवा नहीं अपितु उनसे हमारी मनोवृत्ति व नीयत का भी पता चल जाता है। किसी के द्वारा पूछे गए प्रश्नों से उनकी मानसिकता ही नहीं, उनमें व्याप्त मानस रोगों का भी पता चल जाता है। इसलिए अनिवार्य है कि प्रश्न पूछते समय हम न केवल सतर्क रहें अपितु सामान्य शिष्टाचार, व्यवहार कुशलता व अवसरानुकूलता का भी ध्यान रखें। दुख के वातावरण में आमोद-प्रमोद की बातें करना व किसी मांगलिक अवसर पर पूरी दुनिया के दुखों की कहानियां लेकर बैठ जाना किसी भी प्रकार से उचित नहीं ठहराया जा सकता लेकिन कुछ लोगों को ऐसा करने में ही आनंद आता है।

वास्तव में किसी का जी दुखाने वाले अथवा किसी को अपमानित करने वाले प्रश्न पूछने वाले लोग कतिपय मनोग्रंथियों के शिकार होते हैं। यदि हम दूसरों के प्रति संवेदनशील हैं व उनके दुख-दर्द से सचमुच दुखी हैं तो हम कभी ऐसे नकारात्मक प्रश्न नहीं पूछ सकते, जिनको सुनकर या जिनका उत्तर देने में सामने वाले को कष्ट हो। साथ ही कोई ऐसी टिप्पणी भी नहीं करते, जिससे सामने वाले की पीड़ा कम होने के बजाय और बढ़ जाए। कई बार कुछ लोग दूसरे लोगों की उपस्थिति में ऐसे प्रश्न पूछ लेते हैं, जिनका जवाब देना कठिन ही नहीं, असंभव होता है। किसी को नीचा दिखने के उद्देश्य से पूछे गए ऐसे प्रश्न तो किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराए जा सकते। यदि हम ऐसा करते हैं तो हममें सामान्य व्यावहारिक गुणों के साथ-साथ मनुष्यता नाम का तत्व भी बिलकुल नहीं माना जा सकता।

कुछ लोग जाएंगे तो दूसरों की मिजाजपुर्सी के लिए लेकिन जितनी देर ठहरेंगे, बात करेंगे सिर्फ अपने और अपने बच्चों के बारे में। न सामने वाले को बोलने का मौका ही देंगे और न उसके घर-परिवार व उससे संबंधित किसी बात को महत्व देंगे। क्या इस प्रकार के व्यवहार व वार्तालाप द्वारा परस्पर स्वस्थ संबंधों का विकास संभव होगा? शायद नहीं। हमें चाहिए कि हम जिससे बात करने पहुंचे हैं, उसको ही नहीं, उससे संबंधित हर व्यक्ति व बात को महत्व दें। उसके विषय में व उसके परिवार के विषय में पूछें। यदि हम किसी की किसी प्रकार की कोई भी मदद नहीं कर सकते तो कम से कम उसको उपेक्षित अनुभव करवाने अथवा उसका जी दुखाने के स्थान पर उसके कंधे पर हाथ रखकर आत्मीयता का प्रदर्शन तो कर ही सकते हैं।

हमें चाहिए कि हम जो बात भी पूछें, इस तरह से पूछें कि बात पूछने में ही अपनापन झलके। कई लोग जब भी बात करेंगे तेरा-मेरा करके ही करेंगे। ज्यादा से ज्यादा शब्द आपका प्रयोग कर लेंगे। पिछले दिनों पुत्र कोविड से संक्रमित होकर गंभीर रूप से बीमार था। उसका हालचाल जानने के लिए प्राय: ही मित्रों व परिचितों के फोन आते थे। इससे बड़ी संतुष्टि मिलती थी कि लोग हमारे साथ खड़े हैं। अनेकानेक लोगों ने हर प्रकार से सहायता भी की। लेकिन साथ ही कई लोगों के व्यवहार व उनकी भाषा और पूछने के ढंग से दुख भी कम नहीं होता था। एक सज्जन प्राय: संदेश भेजकर पूछते थे कि आपका लड़का कैसा है? वी आर वरीड अबाउट योर सन। ये भाषा क्या प्रदर्शित करती है? क्या हममें नाममात्र का भी अपनापन नहीं है? यदि नहीं है तो मिजाजपुर्सी का नाटक करने की ही क्या जरूरत है?

हर व्यक्ति का एक नाम होता है। जब हम किसी का नाम लेकर बात करते हैं तो उसमें आत्मीयता झलकती है। आपका बेटा कौन सी कक्षा में पढ़ता है, ये पूछने की बजाय विकास बेटा कौन सी कक्षा में आ गया है, ये पूछना हर दृष्टि से श्रेयस्कर होगा। कुछ लोगों को जन्मसिद्ध अधिकार ही होता है दूसरों की पीड़ा को बढ़ा देना। वे ऐसे अवसरों की तलाश में रहते हैं जब वे किसी के जले पर नमक छिड़क सकें। ऐसा करके ही उन्हें आत्मिक संतोष मिलता है।

वकीलों और डॉक्टरों ने ली कांग्रेस की सदस्यता

नगर संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल के समक्ष आज वकीलों एवं डॉक्टरों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने सभी को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कराते हुए कांग्रेस का पटका पहनाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर गोदियाल ने कहा कि हम कांग्रेस पार्टी में उन सब लोगों का स्वागत करते हैं जो निस्वार्थ रूप से कांग्रेस पार्टी के लिए काम करना चाहते है। उन्होंने कहा कि आज जिस प्रकार देश में अराजकता का माहौल पैदा किया जा रहा है। हम सबने ऐसे अराजक तत्वों का मिलकर मुकाबला करना है, जो देश को जाति, धर्म एवं वर्ग के नाम पर बांट कर सत्ता हासिल करना चाहते हैं।

इस दौरान भाजपा छोड़ कर आये अकबर अली एडवोकेट, रेणुपाल एडवोकेट, मैनूदीन व्यापारी, इं. अब्दुल अजीज, डॉ. मुकल शर्मा, डा. सना मंदूरी, डा. गीता चौधरी, ई. एमए अंसारी, ललित एडवोकेट, अमन टाकुरी, सुनील थापा, कुलदीप सिंह एडवोकेट, मोहिर बलौधी, विक्रांद चन्देल आदि ने कांग्रेस की सदस्यता ली। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी गढ़वाल मण्डल गरिमा महरा दसौनी, महामंत्री संगठन मथुरा दत्त जोशी, दिवाकर चमोली, राजेष चमोली, अमरजीत सिंह, शांति रावत, मंगल सिंह आदि उपस्थित थे।

लघु व्यापार एसोसिएशन ने किया प्रदेश सरकार का आभार प्रकट

संवाददाता

हरिद्वार। रोड़ी बेलवाला में नगर निगम द्वारा बनाये जा रहे पिंक वेंडिंग जोन की आवेदन व बुकिंग की प्रक्रिया पूरी कर चुकी सभी महिलाओं को नगर निगम प्रशासन द्वारा लाइसेंस व अनुबंध के साथ व्यापार संचालन की अनुमति दिए जाने की मांग को लेकर आज लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में तुलसी चौक से नगर निगम तक आभार यात्रा निकाली गयी और मुख्य नगर आयुक्त दयानंद सरस्वती के कार्यालय पर लाभार्थी महिला स्ट्रीट वेंडर्स को बाजार संचालन की अनुमति दिए जाने की मांग को दोहराया गया।

इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक द्वारा डामकोठी पर मुख्य नगर आयुक्त दयानंद सरस्वती को बुलाकर रोड़ी बेलवाला क्षेत्र में ही लघु व्यापार एसोसिएशन द्वारा विगत वर्षों से उठायी जा रही न्यायसंगत मांग को आगे बढाते हुए 600 रेडी पटरी के लघु व्यापारियों की क्षमता का अगला वेंडिंग जोन बनाए जाने के क्रियान्वयन को लेकर निर्देशित किया गया। कहा कि लघु व्यापारियों को आगामी व्यवस्था तक उनके कारोबारी स्थल से नहीं हटाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य नगर आयुक्त दयानंद सरस्वती ने कहा केंद्र व राज्य सरकार शासन के संरक्षण में मुख्यमंत्री महिला सहायता समूह उधमिता योजना के तहत रोड़ी बेलवाला में पिंक वेंडिंग जोन का लगभग प्रथम चरण में 50 महिला स्ट्रीट वेंडर्स को लाभार्थी सूची में सम्मलित की जा चुका है और बुकिंग, बैंक लोन व नगद भुगतान की प्रक्रिया में सम्मलित सभी महिला स्ट्रीट वेंडर्स का ड्रा निकालकर आवंटन की प्रकिया शीघ्र ही की जाएगी। प्रदेश सरकार का आभार प्रकट करते लघु व्यापारियों में मनोज कुमार मंडल, राजेंद्र पाल, दिलीप गुप्ता, जय सिंह बिष्ट, जयप्रकाश, आशीष अग्रवाल, नितिन चोपड़ा, लाल चंद गुप्ता सहित कई लोग शामिल रहे।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने निकाली पदयात्रा

नगर संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष लाल चंद षर्मा के नेतृत्व में महानगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आज कैंट विधानसभा क्षेत्र में मंहगाई, बेरोजगारी, और भ्रष्टाचार के विरोध पदयात्रा आयोजित की।

इस दौरान महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लाल चंद शर्मा ने कहा कि सत्ता में आने से पहले केंद्र व राज्यों की बीजेपी सरकारों ने जो वादे देश की जनता से किए थे। उन वादों पर सरकार खरी नहीं उतरी है। इसके विरोध में आज कांग्रेस ने आम जनता की पीड़ा को उठाने का काम किया है। कहा कि कांग्रेस लड़ाई को लगातार जारी रखेगी। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाये गए तो कांग्रेस आगे की रणनीति तय करेगी।

कहा कि भाजपा सरकार का 4 वर्ष का कार्यकाल पूरी तरह से असफल रहा है। राज्य में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के साथ ही मंहगाई ने आम आदमी का जीना दूभर कर दिया है। इस दौरान मीना रावत, ज्योत्सना, हरेंद्र चौधरी, संदीप धूलिया, प्रकाश, मोहन नौटियाल, शिखा शर्मा, आजाद वर्मा, उदित पांडे, हरजीत सिंह, आशीर्ष, अनिता, छोटी राणा, संतोष सैनी, लक्ष्मण सिंह राणा, मनीष भदोरिया, रमेश कुमार, यशवंत रावत, आरके सक्सेना सुखदेव आदि मौजूद रहे।

कैंट क्षेत्र में जरूरतमंदों को बाटे कंबल

नगर संवाददाता

देहरादून। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रविन्द्र सिंह आंनद ने एक हजार से अधिक जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण कर शुभकामनाएं दी।

इस दौरान रविन्द्र आनन्द ने कहा कि उत्तराखंड में इस वक्त कड़ाके की सर्दी पड़ रही है और ऐसे में कुछ लोग ऐसे भी है जबके पास ओढ़ने को कम्बल भी नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की मदद कर मानवता का संदेश दें। उन्होंने कहा कि भारतवर्ष में रहने वाला हर व्यक्ति चाहे वो किसी भी जाति धर्म से हो हमारा भाई है।

इस दौरान उन्होंने कैंट विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों जिनमें प्रेमनगर, केहरी गांव, एफआरआई, आईएमए शास्त्रीनगर खाला, गांधी ग्राम गोविंद गढ़, यमुना कॉलोनी, पश्चमी पटेलनगर आदि क्षेत्रों में कंबल वितरण किए।

इस दौरान प्रेमनगर के वार्ड उपाध्यक्ष अष्पाक वार्ड अध्यक्ष जितेंद्र बहल अरमान बेग नवीन सिंह चौहान जसवंत नेगी बूथ अध्यक्ष गुलशन जहाँ, आबिदा बूथ अध्यक्ष सलमा वार्ड उपाध्यक्ष कौसर मालिक बूथ अध्यक्ष राजदा बूथ अध्यक्ष नजमा मीना, पूनम, सहित सैंकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

पूर्व पार्षद सचिन गुप्ता ने कैंट से की दावेदारी

नगर संवाददाता

देहरादून। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व पार्षद सचिन गुप्ता ने देहरादून 21 कैंट विधानसभा क्षेत्र से अपनी दावेदारी करते हुए देहरादून महानगर अध्यक्ष सीताराम भट्ट को अपना आवेदन पत्र प्रेषित किया।

सचिन गुप्ता ने आवेदन पत्र में लिखा कि वह वर्ष 1989 से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े हैं। जिसके बाद देहरादून भारतीय जनता युवा मोर्चा कार्यालय मंत्री, नगर निगम पार्षद, भाजयुमो देहरादून महानगर महामंत्री, वर्ष 2013 में पुनः नगर निगम चुनाव में धर्मपत्नी नेहा गुप्ता पार्षद निर्वाचित, 2016 से 2020 तक भाजयुमो उत्तराखंड प्रदेश उपाध्यक्ष/ रुड़की/ हरिद्वार/ उत्तरकाशी जिला प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष उत्तराखंड स्कूल वैन एसोसिएशन, संरक्षक स्वामी विवेकानंद फाउंडेशन, प्रदेश संगठन मंत्री अखिल भारतीय वैश्य सम्मेलन, उपाध्यक्ष श्री श्री बाला जी सेवा समिति आदि अनेको दायित्वों का निर्वाह करते हुए केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जनजन तक पहुंचाने का कार्य किया गया।

कहा कि यदि भाजपा शीर्ष नेतृत्व आगामी विधानसभा चुनाव में अपना 21 कैंट विधानसभा क्षेत्र से विधायक प्रत्याशी चुनता है तो मैं संगठन को पूर्ण आश्वस्त करता हूं कि मेरे द्वारा पूर्व की भांति वरिष्ठ, कनिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं संग, संगठन की रीति-नीति, सरकारी योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।

सचिन गुप्ता ने कहा कि उनको आशा है कि भाजपा संगठन के प्रति उनकी सेवा व कर्मठता को देखते हुए पार्टी उनपर अपना विश्वास जताते हुए 2022 के विधानसभा चुनाव में 21 कैंट विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी घोषित करेगी।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

सपा नेता की गला रेतकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में बीती रात समाजवादी पार्टी के नेता फिरोज पप्पू की गला रेतकर हत्या किये जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी और इलाके में तनाव पसर गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया और कमिश्नर व डीआईजी ने घटना स्थल का दौरा कर हालात का जायजा लिया। जानकारी के अनुसार इस वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशो ने उनके चेहरे पर धारदार हथियार से वार किए गये

है। बदमाशों द्वारा यह वारदात देर रात 11 बजे के लगभग अंजाम दी गयी है। बताया जा रहा है कि तुलसी नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन फिरोज पप्पू पर देर रात उस समय यह हमला किया गया जब वह अपने घर लौट रहे थे। बदमाश पहले से ही उनके घर के पास ही घात लगाए बैठे थे, जैसे ही फिरोज वहां से गुजरे बदमाशों ने उन पर हमला बोल दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को सूचना देते हुए तत्काल उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हे उन्हे मृत घोषित कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही उनके घर पर बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता और उनके समर्थक जुटने लगे और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। बताया जा रहा है कि फिरोज पप्पू तुलसीपुर विधानसभा चुनाव में सपा की ओर से प्रबल दावेदार थे।

उत्तर प्रदेश में भी 1 से 10वीं तक के स्कूलों को किया बंद

नयी दिल्ली। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्यों में शिक्षण संस्थानों को बंद किया जा रहा है। वहीं अब उत्तर प्रदेश में भी १ से १०वीं तक के स्कूलों को बंद कर दिया गया है। साथ ही राज्य में कई आंशिक प्रतिबंध भी लगाए गए हैं। इन प्रतिबंधों के अनुसार, यूपी के स्कूल १० वीं कक्षा तक के छात्रों के लिए ६ जनवरी, २०२२ और १४ जनवरी, २०२२ बंद रहेंगे। हालांकि ये प्रतिबंध कुछ ही दिन के लिए लगाया है लेकिन हालातों को देखते

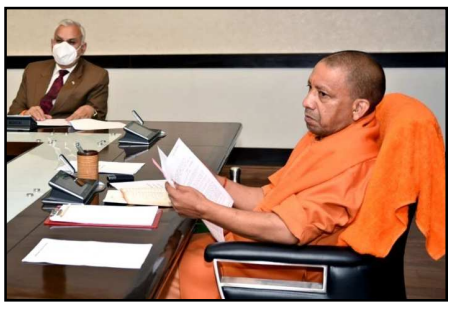

हुए इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। सर्दियों की छुट्टियों के कारण कई संस्थान बंद होने के कारण यूपी के स्कूलों को बंद करने पर विचार किया जा रहा था। हालांकि जब उत्तर प्रदेश में पाबंदियों का ऐलान हो चुका है और मकर संक्रांति तक स्कूल बंद कर दिए गए हैं। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि उत्तर प्रदेश के स्कूलों में कक्षा ११ और १२ के लिए के लिए किसी तरह की कोई घोषणा नहीं की गई है। नए प्रतिबंधों में इन वरिष्ठ कक्षाओं के छात्रों के बारे में कुछ भी उल्लेख नहीं है, इसलिए उम्मीद है कि ऑफलाइन कक्षाएं जारी रहेंगी। इस बीच, यूपी के स्कूलों को कक्षा १० तक के छात्रों के लिए ऑनलाइन क्लासेस जारी रहेंगी।

रोगियों के लिए होम आइसोलेशन की नई गाइडलाइंस जारी !

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हल्के/बिना लक्षण वाले कोरोना रोगियों के होम आइसोलेशन के लिए संशोधित गाइडलाइन जारी की है। मंत्रालय ने कहा, पॉजिटिव होने के सात दिन और तीन दिनों तक लगातार बुखार नहीं आने के बाद होम आइसोलेशन के तहत रोगी को छुट्टी दे दी

जाएगी और आइसोलेशन खत्म हो जाएगा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि होम आइसोलेशन की अवधि समाप्त होने के बाद दोबारा टेस्टिंग की कोई जरूरत नहीं है। आंकड़ों के मुताबिक पिछले ६ दिनों में देश में कोरोना के मामले ६ गुना से ज्यादा की वृद्धि हुई है। ओमिक्रॉन वेरिएंट के मामले तीन दिनों में डबल हो रहा है। अस्पताल की ओर लोग कम रूख करें। इसके लिए नया होम आइसोलेशन गाइडलाइन जरूरी है। स्वास्थ्य मंत्रालय इस बात को लेकर भी चिंतित की डेल्टा वेरिएंट ने जितनी तबाही भारत में मचाई, उतनी तबाही दक्षिण अफ्रीका में डेल्टा वेरिएंट से नहीं हुई थी। ऐसे में ओमिक्रॉन भारत में क्या रूख करेगा इस लेकर उहापोह की स्थिति है। बुजुर्ग मरीजों को डॉक्टर की सलाह पर होम आइसोलेशन की अनुमति दी जाएगी। हल्के लक्षण वाले मरीज घर पर रहेंगे। इसके लिए प्रॉपर वेंटिलेशन रहना जरूरी है। मरीज को ट्रिपल लेयर मास्क पहनने की सलाह दी गई है। इसके अलावा, मरीज को ज्यादा से ज्यादा लिक्विड लेने की सलाह दी गई है।

सीएम ने 12 अवर अभियंताओं को दिए नियुक्ति पत्र

नगर संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड पॉवर कॉरपोरेशन लि. में अवर अभियंता के पद पर चयनित 12 अवर अभियंताओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। पहले चरण में 78 अवर अभियंताओं को नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं।

16 अवर अभियंताओं का भी डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया गतिमान है, उनको भी जल्द नियुक्ति प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त शासन द्वारा अनफ्रीज किए गए 60 अवर अभियंता के पदों पर अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा नियुक्ति की कार्यवाही की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते कहा कि सभी पूर्ण मनोयोग से अपने कार्यों का निर्वहन करें। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जनसेवा के लिए जो भी कार्य मिलता है, उसे सभी अभ्यर्थी कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी से समय पर पूर्ण करेंगे।

इस अवसर पर प्रबंध निदेशक यूपीसीएल एवं पिटकुल अनिल कुमार, परियोजना निदेशक यूपीसीएल अजय कुमार अग्रवाल, निदेशक परिचालन एम. एल प्रसाद, महाप्रबंधक मानव संसाधन केबी चौबे, उप महाप्रबंधक मानव संसाधन अमित कुमार, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी जितेन्द्र कुमार एवं यूपीसीएल के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जनरल रावत के नाम पर होगा श्रीकोट का खेल मैदानः डा. धन सिंह

नगर संवाददाता

देहरादून। उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने श्रीकोट खेल मैदान का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि श्रीकोट में बनाए जा रहे खेल मैदान का लोकार्पण मुख्यमंत्री द्वारा 8 जनवरी को लोकार्पण किया जाएगा। इस खेल मैदान का नाम सीडीएस स्व. विपिन रावत के नाम से रखा जाएगा।

डा. धन सिंह रावत ने बताया कि खेल मैदान में पुरुष, महिला एवं हैंडीक्राफ्ट शौचालय, बॉस्केटबॉल, वालीबॉल, फुटबॉल एवं 6 ट्रैक का मैदान भी रहेगा। इसमें राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताएं भी हो सकेंगी। डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि यह मैदान आने वाले समय में खेल प्रतिभाओं को उभारने के साथ-साथ श्रीनगर में होने वाली ऐतिहासिक जनसभाओं का गवाह भी बनेगा।

वहीं श्रीकोट खेल मैदान का नाम देश के प्रथम सीडीएस स्व. बिपिन रावत के नाम रखे जाने की घोषणा सैनिक प्रकोष्ठ ने कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत का आभार व्यक्त किया है।

कोरोना के कारण कांग्रेस..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

सभी दल पहले आप, पहले आप की नीतियों पर अड़े हुए हैं तथा चुनावी रण में कोई भी पीछे रहना नहीं चाहता है। ऐसे में कांग्रेस ने सबसे पहले अपनी रैलियों पर रोक लगाने का ऐलान कर दिया गया है। उधर आज नई दिल्ली में चुनाव आयोग की बैठक होने जा रही है जिसमें इस मुद्दे पर चर्चा हो सकती है। खबर यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 9 जनवरी को लखनऊ में होने वाली रैली भी टल सकती है लेकिन इसके पीछे खराब मौसम का हवाला दिया जा रहा है।

मुख्य सूचना आयुक्त को राज्यपाल ने दिलाई शपथ

नगर संवाददाता

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने बुधवार को राजभवन में अनिल चंद्र पुनेठा को राज्य मुख्य सूचना आयुक्त तथा विवेक शर्मा को राज्य सूचना आयुक्त के पद की शपथ दिलवाई।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने अनिल चंद्र पुनेठा को राज्य मुख्य सूचना आयुक्त तथा विवेक शर्मा को राज्य सूचना आयुक्त बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित भारतीय प्रशासनिक एवं पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बुली बाईः रुद्रपुर से युवती..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

में पेश कर उसे रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। जानकारी के मुताबिक मुंबई पुलिस श्वेता सिंह और मयंक रावत को मुंबई ले जाकर बेंगलुरु से गिरफ्तार किए गए इंजीनियर के छात्र विशाल कुमार झा के सामने बैठाकर पूछताछ करेगी।

उल्लेखनीय है कि इस अति संवेदनशील मामले में बुली बाई ऐप के जरिए मुस्लिम महिलाओं की तस्वीर से छेड़छाड़ कर उनकी बोली लगाए जाने जैसी आपत्तिजनक पोस्ट किए जाते थे। इस मामले ने तूल तब पकड़ा जब दिल्ली की एक महिला पत्रकार द्वारा इसकी साइबर क्राइम ब्रांच में शिकायत की गई और मुंबई से एक आरोपी की गिरफ्तारी की गई। इसके साथ इस मामले की कड़ियां जुड़नी शुरू हुई और इसकी जांच बेंगलुरु से होती हुई उत्तराखंड में उधम सिंह नगर के रुद्रपुर और कोटद्वार तक जा पहुंची।

आवश्यकता है
होटल साइना इन में आवश्यकता है वेटर व बिल क्लर्क की।
संपर्क करें-
9358134808

आवश्यकता है
आवश्यकता है एक माली की।
संपर्क करें-
9358134808

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।